एक नजर में

खिलचीपुर में चेहल्लुम के ताजिए निकले



खिलचीपुर 05 अगस्त, सं. बुधवार से चेहल्लुम के ताजियों का सिलसिला शुरू हो गया. मोहर्रम के 40 दिन बाद मनाए जाने वाले चेहल्लुम के अवसर पर इस वर्ष पांच पंचायतों और दो मन्नत के ताजिए तैयार किए गए हैं. नगर में धार्मिक परंपराओं के अनुसार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. ताजियों के साथ ताशे-नगाड़े और अखाड़ों के प्रदर्शन भी किए जा रहे हैं. इस वर्ष सरकारी ताजिया, बड़ी पंचायत, अंसारी पंचायत, मंसूरी पंचायत और अजमेरी मंसूरी पंचायत के ताजिए शामिल हैं. इनके अलावा दो मन्नत के ताजिए भी निकाले जा रहे हैं. गुरुवार रात करीब 9 बजे जल मंदिर के पास परंपरा अनुसार ताजियों का विसर्जन किया जाएगा.

ओरिएंटेशन सह-संवाद संपन्न

सुठालिया 05 अगस्त, सं. शासकीय महाविद्यालय में नए शैक्षणिक सत्र के विद्यार्थियों के लिए एक दिवसीय विशेष ओरिएंटेशन प्रोग्राम का गरिमामय आयोजन किया गया. इसका मुख्य उद्देश्य नवप्रवेशी छात्र-छात्राओं को राष्ट्रीय शिक्षा नीति के पाठ्यक्रम ढांचे, शासन की कल्याणकारी योजनाओं, महाविद्यालयीन सुविधाओं और अनुशासन से अवगत कराना था. मुख्य वक्ता शमशाद बेग ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कक्षाओं में 75 प्रतिशत अनिवार्य उपस्थिति के नियम पर विशेष बल दिया. उन्होंने कहा कि नियमित उपस्थिति और अनुशासन ही विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य का आधार हैं, साथ महाविद्यालय में ड्रेस कोड लागू है, इसलिए 15 अगस्त तक सभी नव प्रवेशित छात्र छात्राओं ड्रेस बनवाने के निर्देश दिए. कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. लहरिया ने विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा महाविद्यालय केवल ज्ञान अर्जित करने का केंद्र नहीं, बल्कि आपके सपनों को साकार करने और सशक्त व्यक्तित्व के निर्माण की प्रयोगशाला है. इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण डॉ. मुकेश बंशीवाल, डॉ. खालिद अल्ताफ शेख, डॉ. संतोष साहू, डॉ. गिरवर पांडव, श्रीमती पूजा यादव, प्रवेश कुशवाह, अनिरुद्ध सिंह कुशवाह, दशरथ गुर्जर सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे.

सरिए चोरी कर बेचने पहुंचे दो युवक पकड़ाए

सारंगपुर 05 अगस्त, का. नगर में लगातार बढ़ रही चोरी की घटनाओं के बीच मंगलवार को अकोदिया नाका क्षेत्र में निर्माणाधीन मकान से चोरी किए गए सरिए बेचने पहुंचे दो युवकों को स्थानीय लोगों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. जानकारी के अनुसार दोनों युवक नशे की हालत में थे. पुलिस ने उन्हें हिरासत में लेकर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की और न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया. स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों युवक सुदर्शन नगर स्थित भगवान सिंह पाटीदार के निर्माणाधीन मकान से सरिए चोरी कर कबाड़ में बेचने पहुंचे थे.

बरसात के लिए तरस रहे प्यास बुझाने वाले बांध

22 वर्षों में सबसे न्यूनतम स्तर पर नजर आ रहा है बारिश का आंकड़ा

2003 में 530 मिमी हुई थी बारिश, 2026 का आंकड़ा अभी 411 तक पहुंचा



ब्यावरा. बांकपुरा सहित छोटे बड़े तलाब भी इस समय सूखे जैसे नजर आ रहे है.

नवभारत न्यूज

ब्यावरा 05 अगस्त,का. बारिश इस वर्ष राजगढ़ जिले से रूठ गई लगता है. नदियों, बांध और तलाब से घिरी जिले की सीमाओं पर इस समय सूनापन नजर आता है. इस समय जो नदियां कल-कल कर उफनती हुई नजर आती थी, पानी की प्रचुर मात्रा के कारण बांधों के वेग को बांधना मुश्किल होने के कारण उनके द्वार खोलना मजबूरी होता था आज वे ही बांध प्यासे नजर आ रहे है.

राजगढ़ जिले में बारिश थमने के कारण अचानक हर वर्ग को भारी संकट नजर आने लगा है. जिले में बारिश ने सभी को चकित कर रखा है. फिलहाल फसल तो दम तोड़ती नजर नहीं आ रही है लेकिन अगर बारिश की यह खींच आगे इसी प्रकार बनी रही तो फसल पर भी संकट मंडराता नजर आ सकता है.

जिले के सभी बांध और नदियां रीतीं

इस समय जिले की सभी नदियां और बांध रीते नजर आ रहे है. जिले की प्रमुख और बड़ी नदियों में पार्वती, कालीसिंध, नेवज, अजनार, गाड़गंगा, घोड़ा पछाड़ श्रावण माह का पहला सप्ताह समाप्त होने के बावजूद पूरी तरह बहकर नहीं निकली है.

यहीं कारण है कि इन नदियों की सीमाओं से लगे बांध भी रीते नजर आ रहे है. खासकर मोहनपुरा, कुण्डालिया, कुशलपुरा, कुं. चैन सिंह सागर, बांकपुरा, मूंडला डेम सहित छोटे बड़े तलाब भी इस समय सूखे जैसे नजर आ रहे है. यह डेम जिले के कई शहरों, कस्बों और सैकड़ों गांवों की प्यास बुझाते है. दुर्भाग्य यह है कि इस वर्ष यह डेम खुद प्यासे नजर आ रहे है. ऐसी स्थिति में आने वाले दिनों में पेयजल और सिंचाई की स्थिति क्या होगी यह सभी के लिये चिंता का विषय बना हुआ है.

पिछले 25 वर्षों में 2003 में हुई थी न्यूनतम वर्षा

राजगढ़ जिले की पिछले 25 वर्षो के बारिश के आंकड़ों पर नजर दौड़ाई जाये तो पता चलता है कि करीब 23 वर्ष पूर्व 2003 में सबसे कम वर्षा मापी गई थी. 23 वर्ष बाद इतिहास खुद को दोहराता हुआ नजर आ रहा है. 2003 में जिले की औसत वर्षा 530 मिमी हुई थी. जबकि इस वर्ष 2026 में अगस्त के प्रथम सप्ताह तक मात्र 411 मिमी वर्षा हुई है. यद्यपि बारिश अगस्त, सितंबर माह तक प्रभावी रूप से होती आई है लेकिन अगर वर्तमान स्थिति जैसे हालात बने रहे तो हालात संकटग्रस्त हो जायेंगे. बीते 25 वर्षो के बारिश के आंकड़े इस प्रकार है. 2001 में 645.8 एमएम, 2002 में 864.3, 2003 में 530.3, 2004 में 808.9, 2005 में 1012.9, 2006 में 764.8, 2007 में 1184.8, 2008 में 818.3, 2009 में 690.6, 2010 में 890, 2011 में 733.1, 2012 में 1513.1, 2013 में 1571.9, 2014 में 1073.8, 2015 में 1449.7, 2016 में 1331.7, 2017 में 816.8, 2018 में 825.2, 2019 में 1782.2, 2020 में 1098, 2021 में 1323.3, 2022 में 1915.1, 2023 में 797.3 एमएम बारिश हुई. जबकि 2024 में 1309 मिमी और 2025 1427 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी.

गत वर्ष सबसे अधिक और इस वर्ष फिसड्डी साबित हो रहा ब्यावरा

राजगढ़ जिले में ब्यावरा ने गत वर्ष 2025 में बारिश में रिकार्ड दर्ज किया था. ब्यावरा में अब तक की सबसे अधिक बारिश उस समय दर्ज की गई थी. 2025 में ब्यावरा में कुल 1900 एमएम वर्षा दर्ज की गई थी. जबकि गत वर्ष 2025 में 5 अगस्त तक जिले में तहसीलवार वर्षा इस प्रकार हुई थी. जीरापुर में 960 एमएम, खिलचीपुर 1007.6, राजगढ़ 920.6, ब्यावरा में 1768.2 एमएम, नरसिंहगढ़ 1122, सारंगपुर 421.6, पचोर में 757.6 एमएम बारिश हुई है. इसके विपरीत इस वर्ष 2026 में 5 अगस्त तक जीरापुर में 564 एमएम, खिलचीपुर 484 एमएम राजगढ़ 417 एमएम, ब्यावरा में 252.6 एमएम, नरसिंहगढ़ 179, सारंगपुर 433, पचोर में 551.7 एमएम बारिश हुई है. जिले में अब तक कुल मिलाकर 411.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है.

टीबी मरीजों को फल एवं राशन सामग्री वितरित की

राजगढ़ 05 अगस्त, का. कलेक्टर डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पीएचई विभाग के एसडीओ देवेंद्रसिंह गौड़ द्वारा टीबी (क्षय रोग) से पीड़ित मरीजों को फल एवं राशन सामग्री वितरित की गई. कार्यक्रम का उद्देश्य मरीजों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराना तथा उपचार के दौरान उनका मनोबल बढ़ाना रहा. इस अवसर पर श्री गौड़ ने कहा कि टीबी का समय पर उपचार और नियमित दवा के साथ पौष्टिक भोजन बीमारी से शीघ्र स्वस्थ होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. उन्होंने मरीजों से चिकित्सकों के निर्देशों का पालन करने, दवाइयों का नियमित सेवन करने तथा उपचार बीच में न छोड़ने की अपील की. टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत प्रत्येक टीबी मरीज का पंजीयन निक्षय पोर्टल पर किया जाता है. यह भारत सरकार के राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम का डिजिटल प्लेटफॉर्म है. जिसके माध्यम से टीबी मरीजों के उपचार, दवा वितरण, फॉलोअप एवं उपचार की प्रगति की नियमित निगरानी की जाती है.

दो वार्डों में पेयजल आपूर्ति ठप्प सुबह से कुएं पर लगीं कतारें

नगर परिषद पर लापरवाही के आरोप



नवभारत न्यूज

खिलचीपुर 05 अगस्त, सं. खिलचीपुर नगर परिषद के वार्ड क्रमांक 1 और 2 में पिछले नौ दिनों से पेयजल आपूर्ति पूरी तरह ठप है. सोमवारिया क्षेत्र के सैकड़ों परिवार रोजमर्रा की जरूरतों के लिए पुराने कुएं पर निर्भर हो गए हैं. सुबह पांच बजे से ही महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों की लंबी कतारें लग जाती हैं.

स्थानीय लोगों का आरोप है कि नगर परिषद को कई बार शिकायत करने के बावजूद न तो नियमित जलापूर्ति बहाल की गई और न ही टैंकरों से वैकल्पिक व्यवस्था की गई.

वार्डों में लगातार नौ दिनों तक नलों में पानी नहीं आने के बाद स्थानीय रहवासियों ने नगर परिषद से संपर्क किया. लोगों का कहना है कि हर बार उन्हें यही बताया गया कि फिल्टर प्लांट की मोटर मरम्मत के लिए भोपाल भेजी गई है. लेकिन इतने लंबे समय तक समस्या बनी रहने के बावजूद राहत के लिए कोई वैकल्पिक इंतजाम नहीं किया गया.

जल संकट के कारण सोमवारिया क्षेत्र के लोग रोज सुबह तड़के गणेश चौक स्थित पुराने कुएं पर पहुंच जाते हैं. पीने और घरेलू उपयोग के पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है.

रहवासियों का कहना है कि पानी की व्यवस्था में ही रोज का बड़ा समय निकल जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई और लोगों की दिनचर्या भी प्रभावित हो रही है.

स्थानीय निवासी ममता बैरागी ने बताया कि नौ दिनों से नलों में पानी नहीं आया है. नगर परिषद को कई बार फोन करने पर सिर्फ यही कहा गया कि मोटर भोपाल में मरम्मत के लिए भेजी गई है. लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ. वहीं रोशन गुप्ता ने बताया कि सुबह पांच बजे से ही कुएं पर भीड़ लग जाती है. पीने के पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है.

स्थानीय लोगों का कहना है कि तकनीकी खराबी होना अलग बात है, लेकिन नौ दिनों तक पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा बाधित रहने के बावजूद नगर परिषद ने टैंकरों से पानी उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं की. इससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है.

नगर परिषद के मुख्य नगर पालिका अधिकारी देवनारायण दांगी ने बताया कि फिल्टर प्लांट के मोटर पंप की वैक्यूम मशीन खराब हो गई थी. इसी दौरान बिजली आपूर्ति से जुड़ी डीपी में भी तकनीकी खराबी आ गई थी, जिससे जलापूर्ति प्रभावित हुई. उन्होंने बताया कि मरम्मत के बाद मशीन वापस लाई जा रही है. कर्मचारियों को निर्देश दिए गए हैं कि आवश्यक तकनीकी कार्य पूरा कर आज ही पेयजल आपूर्ति बहाल की जाए.

1,387 विद्यार्थियों ने लिया प्रवेश

राजगढ़ 05 अगस्त, का. प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय राजगढ़ में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की प्रवेश प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हो गई है. जिला एवं महाविद्यालय प्रवेश नोडल अधिकारी डॉ. मोहम्मद लुकमान मंसूरी द्वारा बताया गया कि प्रवेश प्रक्रिया के समापन तक महाविद्यालय में कुल 1,930 स्वीकृत सीटों के विरुद्ध 1,387 विद्यार्थियों ने प्रवेश प्राप्त किया. इनमें स्नातक स्तर पर 1,139 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 248 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया.

कलश यात्रा निकाली, सात दिवसीय गीता प्रवचन की शुरुआत

नवभारत न्यूज

जीरापुर 05 अगस्त, सं. प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय जीरापुर एवं गोपाल दांगी, श्रीमती कमलाबाई दांगी की ओर से 118 दांगी धर्मशाला भानपुरा में सात दिवसीय गीता ज्ञान यज्ञ कथा का शुभारंभ कलशयात्रा निकालकर हुआ.

ढोल एवं बैंड बाजे पर भगवान के भजनों की धूम से कलश यात्रा गोपाल दांगी के निवास से गांव में गली मोहल्ले से होती कार्यक्रम स्थल पहुंची. जहां पर परमात्मा स्मृति, दीप प्रज्वलित कर प्रवचन का शुभारंभ किया.

प्रवचनकर्ता राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी सुरेखा दीदी ने बताया कि शक्ति प्रदान करने का एकमात्र साधन सर्व शास्त्रमयी शिरोमणि श्रीमदभागवत गीता है. जब मन किसी उलझन में होता है, परेशानी से गिर जाता है. कमजोरी आ जाती है तो जैसे शारीरिक कमजोरी को दूर करने के लिए टॉनिक पीते हैं. वैसे मन की कमजोरी को दूर करने का साधन गीता शास्त्र है. गीता एक धर्म विशेष का ग्रंथ मात्र नहीं यह मानवता का शास्त्र है जो मनुष्य को जीवन जीने की कला सिखाता है. हम एक ऐसे युग में जी रहे हैं, जिसे अनिश्चितता का युग कहा जाता है. चुनौतियों से भरा समय है, इस समय में गीता ज्ञान ही हमारे अंदर वह शक्ति भर देता है, जिससे हम पुनः समर्थो को प्राप्त कर लेते हैं. गीता मरते समय नहीं लेकिन जीवन के शुरुआती काल मे ही गीता का अध्ययन व श्रवण कर लेंगे तो सर्व प्रकार की समस्याओं से समाज बचा रहेगा. उन्होंने कौरव और पांडव की विस्तृत आध्यात्मिक रूप से व्याख्या कर प्रवृत्ति को जीवन से समाप्त करने की विधियां बताई.



ब्रह्माकुमारीज की जीरापुर सेवाकेंद्र संचालिका ब्रह्माकुमारी नम्रता दीदी ने इस पुण्य कर्म में सम्मिलित होकर भगवत ज्ञान का लाभ लेने का आह्वान किया. इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे.

सिंहस्थ को लेकर धर्मशाला में निर्माण पूर्ण करने का निर्णय

नवभारत न्यूज

सारंगपुर 05 अगस्त, सं. फूलमाली समाज धर्मशाला उज्जैन की बैठक चार धाम मंदिर के सामने स्थित समाज की धर्मशाला में रविवार को वरिष्ठ समाजसेवी हेमराज बागवान के अध्यक्षता में आयोजित की गई बैठक में मुख्य अतिथि उज्जैन विकास प्राधिकरण अध्यक्ष रवि कुमार सोलंकी की उपस्थिति रही मुख्य अतिथि का समाजजनों ने पुष्पमाला तथा साफा बांधकर स्वागत किया. बैठक में धर्मशाला समिति अध्यक्ष हरिनारायण माली द्वारा चारधाम मंदिर के सामने से धर्मशाला के मुख्य रास्ते पर रोड़ बनवाने एवं स्वागत गेट बनाए जाने की मांग रखी. सचिव राजेंद्र सुमन द्वारा धर्मशाला का आय-व्यय समाजजनों के समक्ष प्रस्तुत किया. साथ ही नंदकिशोर पुष्पद शिवनारायण पुष्पद काका, संतोष पुष्पद, गंगा राम पुष्पद, मांगीलाल पुष्पद भेरू दरवाजा पंचायत अध्यक्ष धन सिंह पुष्पद, विनोद पुष्पद तलेनी, जवाहरलाल पुष्पद देवास राजेश चौहान कन्नौद कैलाश वर्मा सारंगपुर सहित अन्य कई समाज जनों ने धर्मशाला निर्माण के लिए धन संग्रह सहित अन्य व्यवस्थाओं पर अपने-अपने विचार विस्तार से रखें साथ ही धर्मशाला में चल रहे हाल निर्माण एवं कैमरा निर्माण के लिए राशि दी गई.





दतिया विधानसभा जीत पर खुशी

तलेन 05 अगस्त, सं. दतिया उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में ब्लॉक कांग्रेस कमेटी एवं नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा विजय जश्न आतिशबाजी कर ढोल नगाड़े के साथ कांग्रेस कार्यकर्ता द्वारा मनाया गया.

वन स्टॉप सेंटर की काउंसलिंग से एक हुआ परिवार

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 05 अगस्त,का. वन स्टॉप सेंटर में एक नवविवाहित महिला पूजा अपने पिता के साथ सहायता की अपेक्षा लेकर पहुंची. पूजा ने बताया कि विवाह को आठ माह ही हुए हैं, लेकिन उसका पति पवन उसे अपने साथ रखने के लिए तैयार नहीं है. उसका कहना था कि पति शहर में रहकर पढ़ाई कर रहा है, जबकि वह पढ़-लिख नहीं सकी. इसी कारण पति उससे दूरी बनाए हुए है. वहीं, पूजा के पिता ने भी बेटी के भविष्य की चिंता व्यक्त करते हुए उसे पुनः ससुराल भेजने की इच्छा जताई. प्रशासक रश्मि चौहान के निर्देश पर पति पवन को वन स्टॉप सेंटर बुलाया गया. परामर्श के दौरान पवन ने बताया कि वह इस विवाह के पक्ष में नहीं था, लेकिन पारिवारिक निर्णय के कारण विवाह हुआ. इस पर परामर्शदाता कविता वर्मा ने दोनों पक्षों को धैर्यपूर्वक समझाया कि वैवाहिक जीवन आपसी विश्वास, सहयोग और समय से मजबूत होता है. उन्होंने पवन को पत्नी को आगे बढ़ने का अवसर देने तथा पूजा को स्वयं में सकारात्मक बदलाव लाने और कोई नया कौशल सीखने के लिए प्रेरित किया. इसके बाद दोनों पक्षों की सहमति से लगातार पाँच से छह परामर्श सत्र आयोजित किए गए. लगातार संवाद के सकारात्मक प्रयासों का परिणाम पवन अपनी पत्नी पूजा को अपने साथ रखने के लिए सहमत हो गया.



200 श्रद्धालु पैदल पहुंचेंगे उज्जैन 5 दिन में पूरी होगी यात्रा

नवभारत न्यूज

खिलचीपुर 05 अगस्त, का. खिलचीपुर स्थित उकारनाथ मंदिर से बुधवार को 200 से अधिक श्रद्धालु सामूहिक कांवड़ यात्रा पर उज्जैन के लिए रवाना हुए. श्रद्धालु पांच दिन में करीब 160 किलोमीटर की पैदल यात्रा पूरी कर बाबा महाकालेश्वर का जलाभिषेक करेंगे. सावन माह में पहली बार निकाली जा रही इस यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला.

कांवड़ यात्रा की शुरुआत उकारनाथ मंदिर से पूजा-अर्चना के साथ हुई. डीजे पर गूंजते शिवभजनों और हर-हर महादेव के जयघोष के बीच श्रद्धालु नगर के प्रमुख मार्गों से होकर रवाना हुए. रास्तेभर लोगों ने फूल बरसाकर कांवड़ियों का स्वागत किया. कई स्थानों पर पेयजल, शरबत और प्रसाद की व्यवस्था भी की गई. जय श्री महाकाल सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा को सावन माह की पहली सामूहिक कांवड़ यात्रा बताया जा रहा है. समिति के अनुसार आसपास के गांवों से करीब 200 युवाओं का पंजीयन किया गया है. जिन्होंने पैदल यात्रा में हिस्सा लिया. यात्रा खिलचीपुर से शुरू होकर जीरापुर, सुसनेर और आगर होते हुए उज्जैन पहुंचेगी. श्रद्धालु प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर पैदल चलेंगे. पांचवें दिन सभी कांवड़िए महाकाल मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल का जलाभिषेक करेंगे.

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए यात्रा के साथ चार ट्रैक्टर भी भेजे गए हैं. इनमें भोजन, पेयजल, दवाइयां और अन्य आवश्यक सामग्री रखी गई है, ताकि रास्ते में किसी प्रकार की परेशानी न हो. यात्रा में जिला पंचायत अध्यक्ष चंदर सिंह सौंधिया, पूर्व विधायक रामप्रसाद दांगी, पूर्व विधायक हेमराज कल्पोनी, भाजपा मंडल अध्यक्ष बद्रीलाल दांगी, पीसीसी सदस्य प्रेमसिंह परिहार सेमली, रतन सिंह सौंधिया कोडक्या और धीरप सौंधिया खेड़ी सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि एवं श्रद्धालु शामिल हुए.

सावन माह के दौरान भगवान शिव के प्रति आस्था को लेकर क्षेत्र में धार्मिक आयोजन लगातार हो रहे हैं. सामूहिक कांवड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया.

कार्यवाही मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले द्वारा योजनाओं की समीक्षा

22 हजार मानव दिवस के बाद भी लेबर शून्य

ग्राम पंचायत हालाहेड़ी के सचिव को निलंबित किया
ग्राम पंचायत जामोन्या में 15 वें वित्त की राशि से किए गए कार्यो की होगी जांच

नवभारत न्यूज

राजगढ़ 05 अगस्त, का. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. इच्छित गढ़पाले द्वारा जनपद पंचायत खिलचीपुर एवं जीरापुर के सभाकक्ष में विभिन्न योजनाओं कि समीक्षा की गई.



समीक्षा के दौरान ग्राम पंचायत हालाहेडी में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है. यहां कुल 22000 मानव दिवस होने पर भी लेबर नियोजन शून्य होने से कंवरलाल सचिव ग्राम पंचायत हालाहेडी को निलंबन किये जाने एवं दिनेश वर्मा, ग्राम रोजगार सहायक ग्राम पंचायत हालाहेडी को जनपद पंचायत में संलग्न किये जाने के निर्देश दिये गयें.

बैठक में जनपद स्तरीय अमला मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत खिलचीपुर एवं जीरापुर, सहायक यंत्री, उपयंत्री जनपद स्तरीय अधिकारी, कर्मचारी, समस्त ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक उपस्थित रहें.

समीक्षा के दौरान वीबी जी राम जी अंतर्गत माह जुलाई में लेबर नियोजन एवं आज शुन्य होने से ग्राम पंचायत दुर्गपुरा के ग्राम पंचायत सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक का वेतन रोकने के निर्देश दिये गये.

साथ ही सोनखेडाकलॉ पंचायत भवन में बिजली की व्यवस्था होने तक खाता होल्ड करने के निर्देश दिये गये.

ग्राम पंचायत जामोन्या में 15 वें वित्त की राशि से किये गये कार्यो की जॉच किये जाने के निर्देश दिये गये. मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत डॉ. गढ़पाले ने स्पष्ट निर्देश दिये कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही या उदासीनता स्वीकार नहीं की जाएगी.

सभी अधिकारी एवं मैदानी अमला नियमित रूप से ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर योजनाओं की प्रगति सुनिश्चित करें तथा समय सीमा में लक्ष्य पूर्ण करें उन्होने कहॉ की उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया जावेगा जबकि लापरवाही बरतने वाले के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी.